परसिंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों के लिये RBI दिशा-निर्देश

प्रिलिम्स के लिये:

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI), परसिंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियाँ, सिडबी, नाबार्ड, गैर-निष्पादित परसिंपत्तियाँ (NPA), सरफेसी अधिनियम (2002)

मेन्स के लिये:

परसिंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों, बैंकिंग क्षेत्र तथा गैर-निष्पादित परसिंपत्तियों का महत्त्व।

स्रोत: बिज़नेस स्टैण्डर्ड

चर्चा में क्यों?

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने 24 अप्रैल, 2024 से प्रभावी परसिंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (ARCs) के लिये अद्यतन दिशानिर्देशों की रूपरेखा तैयार करते हुए एक निर्देश जारी किया है।

परसिंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (ARC) के लिये RBI दिशा-निर्देश क्या हैं ?

- **न्यूनतम पूंजी आवश्यकता में वृद्धि:**
    - ARCs को पहले 100 करोड़ रुपए की न्यूनतम पूंजी की आवश्यकता होती थी; इस आवश्यकता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाकर 300 करोड़ रुपए कर दिया गया है।
    - मौजूदा ARCs को 31 मार्च, 2026 तक 300 करोड़ रुपए की नई न्यूनतम शुद्ध स्वामित्व वाली निधि (NOF) सीमा तक पहुँचने के लिये एक संक्रमण अवधि दी गई है।
        - उच्च पूंजी आवश्यकता की दिशा में परिवर्तन के हिस्से के रूप में ARC को 31 मार्च, 2024 तक न्यूनतम 200 करोड़ रुपए की पूंजी सुनिश्चित करनी होगी।
    - यदि उपरोक्त किसी भी चरण को पूरा नहीं किया जाता है, तो गैर-अनुपालन करने वाले ARCs को पर्यवेक्षी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा, जिसमें नए व्यवसाय को लेने पर प्रतिबंध शामिल हो सकता है जब तक कि वह उस बिंदु पर प्रभावी न्यूनतम NOF को पूरा नहीं कर लेता।
- **बॉण्ड समाधान आवेदक के रूप में पात्रता:**
    - **न्यूनतम 1000 करोड़ रुपए के NOF वाले ARC** को दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 (IBC) के अंतर्गत परसिंपत्ति समाधान प्रक्रिया में समाधान आवेदकों के रूप में कार्य करने की अनुमति है।
- **निवेश के अवसर:**
    - ARC से प्राप्त धनराशि को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश किया जा सकता है तथा साथ ही अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) अथवा अन्य संगठनों के पास जमा किया जा सकता है जिन्हें देश के केंद्रीय बैंक द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाता है।
    - इसके अतिरिक्त, ARC किसी पात्र क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा AA या उससे ऊपर की अल्पकालिक रेटिंग वाले मनी मार्केट म्यूचुअल फंड, जमा प्रमाणपत्र और कॉर्पोरेट बॉण्ड/वाणिज्यिक पत्रों जैसे **अल्पकालिक उपकरणों (Short-term Instrument)** में निवेश कर सकते हैं।
        - हालाँकि, **ऐसे अल्पकालिक उपकरणों में अधिकतम निवेश पर NOF सीमा 10%** होती है।

परसिंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी (Asset Reconstruction Company- ARC) क्या है?

- **परिचय:**
    - ARC वित्तीय संस्थान होते हैं, जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों से गैर-निष्पादित संपत्ति (NPA) या गैर-निष्पादित संपत्ति (Bad Asset) खरीदते हैं।

        - इससे बैंकों और सस्थानों को अपनी बैलेंस शीट साफ करने की सुविधा मलिती है।
    - इसे **कंपनी अधिनियिम, 2013** के तहत शामलि किया गया है, **वित्तीय संपत्तयिों का प्रतभूितकिरण और पुनर्नरि्माण एवं सुरक्षा हति का प्रवर्तन (SARFAESI) अधिनियिम, 2002** के तहत भारतीय रज़िर्व बैंक के साथ पंजीकृत कयिा गया है।
- **उदाहरण:**
    - नेशनल एसेट रकिंस्ट्रक्शन कंपनी लमिटिेड (NARCL) की स्थापना बैंकों द्वारा बाद के समाधान के लयि लचीली संपत्तयिों (Stressed Asset) को एकत्र करने और समेकति करने के लयि की गई है। इसमें 51% हसि्सेदारी के साथ सार्वजनकि क्षेत्र के बैंकों (PSB) का बहुमत है।
    - **इंडयिा डेट रेज़ोल्यूशन कंपनी लमिटिेड (IDRCL)** एक अन्य इकाई है, जो लचीली संपत्तयिों को बाज़ार में बेचने का प्रयास करेगी।
        - PSB और सार्वजनकि वित्तीय संस्थान (FI) IDRCL में अधकितम 49% की हसि्सेदारी रखेंगे। जबकशिेष 51% हसि्सेदारी नजिी क्षेत्र के ऋणदाताओं के पास होगी।

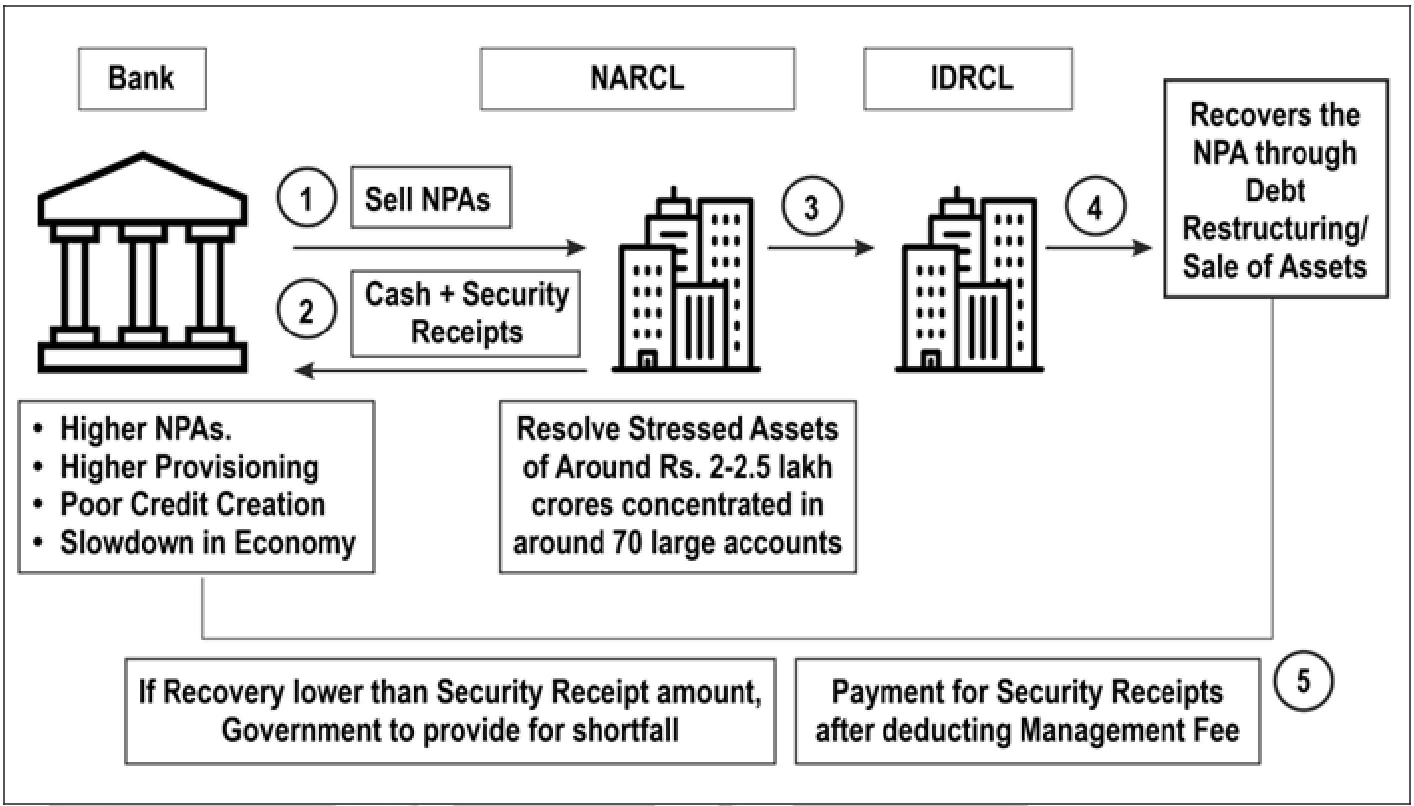

//

- **कार्य:**
    - **SARFAESI अधनियिम, 2002** द्वारा अधकिार प्राप्त ARC संकटग्रस्त परसिंपत्तयिों की वसूली और परविर्तन में वशिेषज्ञता रखते हैं।
        - वे ऋणदाताओं से नकद या नकदी और प्रतभिूत प्राप्तयिों के संयोजन के माध्यम से खराब ऋण (Bad Debt) लेते हैं।
- **व्यापार मॉडल:**
    - **लचीले ऋणों का अधग्रिहण:** ऋणदाता ARC को लचीले ऋणों को छूट पर बेचते हैं, जसिसे नए ऋणों पर ध्यान केंद्रति करने के लयि उनके संसाधन मुक्त हो जाते हैं।
    - **प्रतभिूत की प्राप्त (Security Receipt):** ARC ऋणदाताओं को प्रतभिूत प्राप्त जारी करती हैं, जनि्हें वशिषि्ट ऋण की वसूली पर भुनाया जा सकता है।
        - वे वार्षकि परसिंपत्त मूल्य का 1.5% से 2% का प्रबंधन शुल्क भी लेते हैं और बक्रिी वित्तीय संस्थानों (Selling Financial Institution) के साथ साझा करते हुए वसूली से कमाई करते हैं।
- **चुनौतयिाँ:**
    - ARC अक्सर पुराने NPA से नपिटते हैं, जो लंबे समय तक चूक के कारण मूल्यांकन और वसूली के मामले में चुनौतयिाँ पेश करते हैं।
    - कई उधारदाताओं से एक ही उधारकर्त्ता पर ऋण एकत्र करना जटलि हो सकता है, जसिके लयि वभिनि्न हतिधारकों के बीच समन्वय और समझौते की आवश्यकता होती है।
    - ARC को अपनी बैलेंस शीट पर धन जुटाने, संकटग्रस्त संपत्तयिों को हासलि करने की क्षमता सीमति करने या पुनरुद्धार के लयि उधारकर्त्ताओं को आवश्यक सहायता प्रदान करने में कठनिाइयों का सामना करना पड़ता है।
    - अधग्रिहण और पुनर्प्राप्त उद्देश्यों के लयि संकटग्रस्त परसिंपत्तयिों का खासकर जब अशक्षिति या जटलि परसिंपत्तयिों से नपिटना हो, उचति मूल्य नर्धारति करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
- **RBI द्वारा ARC वनियिमों में हालयिा परविर्तन:**
    - **कॉरपोरेट प्रशासन को मज़बूत करना:** ARC में कॉरपोरेट प्रशासन को बढ़ाने के लयि RBI ने आदेश दयिा कि बोर्ड के अध्यक्ष और

बोर्ड बैठक में कम-से-कम आधे निदेशक स्वतंत्र निदेशक होने चाहिये।

- **बढ़ी हुई पारदर्शिता:** ARC को सुरक्षा रसीद निवेशकों के लिये उत्पन्न रिटर्न पर अपने ट्रैक रिकॉर्ड का खुलासा करना और पारदर्शिता में सुधार के लिये पिछले आठ वर्षों में शुरू की गई योजनाओं के लिये रेटिंग एजेंसियों के साथ जुड़ना आवश्यक है।
- **निवेश आवश्यकताएँ:** ARC को **प्रतिभूति प्राप्तियों (SR)** में ऐसी प्राप्तियों में हस्तांतरणकर्त्ताओं के निवेश का कम-से-कम 15% या जारी की गई कुल प्राप्तियों का 2.5%, सभी मामलों में कुल प्रतिभूति प्राप्तियों के 15% की पिछली आवश्यकता के विपरीत, जो भी अधिक हो।
    - SR ARC द्वारा योग्य खरीदारों (QB) को बैंकों और **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC)** से संकटग्रस्त संपत्तियों की खरीद के बदले में जारी किये गए उपकरण हैं।

सरफेसी अधिनियम, 2002

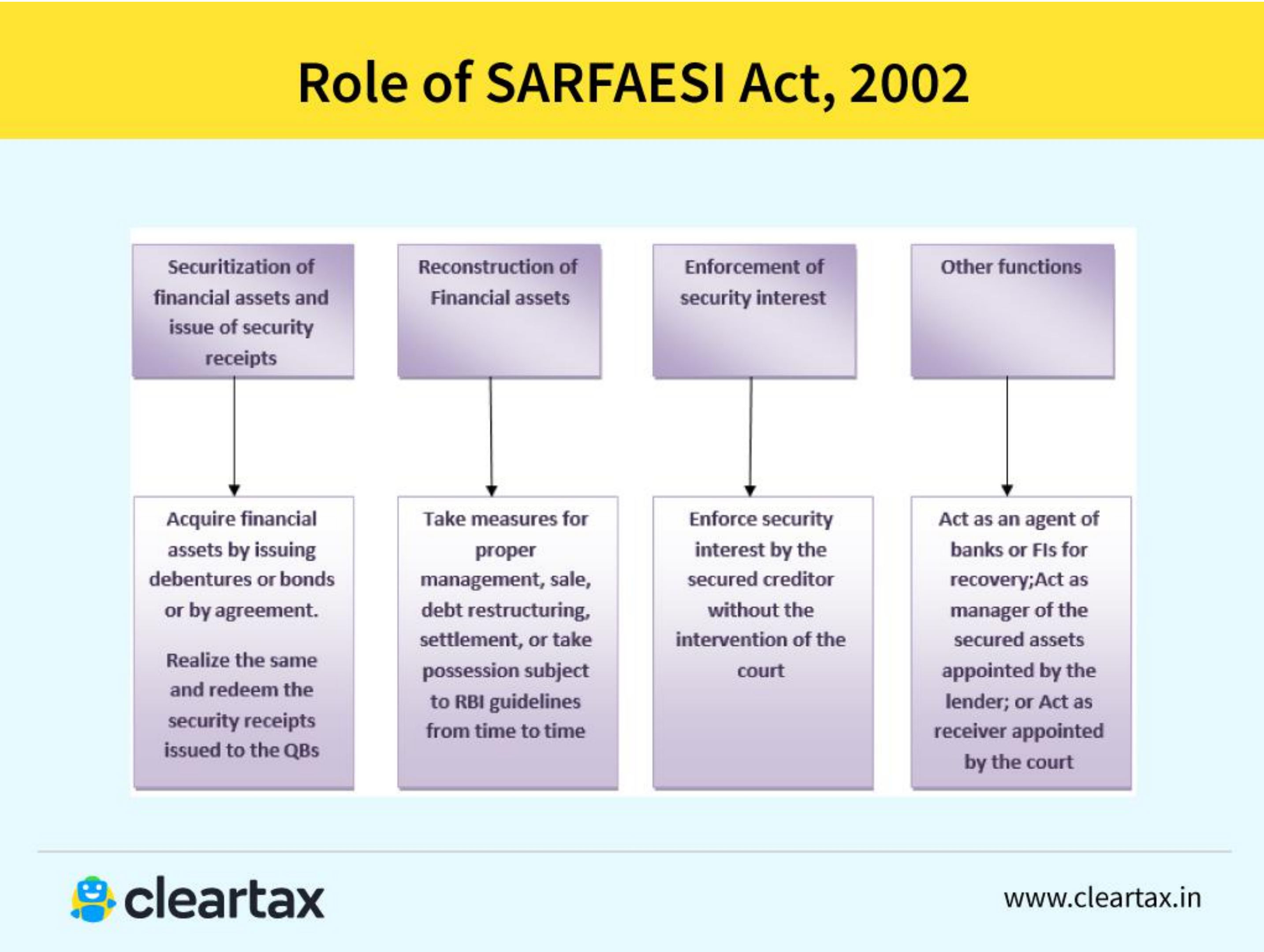

??????? ?????? ???????:

प्रश्न. भारतीय वित्तीय परिदृश्य में परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (Asset Reconstruction Companies) के सामने आने वाली चुनौतियों का मूल्यांकन कीजिये और उन्हें प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के उपाय सुझाइए।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के संचालन के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पिछले दशक में भारत सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पूंजी के अंतर्वेशन में लगातार वृद्धि हुई है।
2. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सुव्यवस्थित करने के लिये मूल भारतीय स्टेट बैंक के साथ उसके सहयोगी बैंकों का विलय किया गया है।

उपर्युत्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सरकार ने क्रेडिट विस्तार का समर्थन करने और गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (NPA) के लिये किये जाने वाले प्रावधानों से होने वाले नुकसान से निपटने में मदद हेतु राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों में पूंजी अंतर्वेशन का कार्य किया है।
- परंतु सरकारी बैंकों में पूंजी अंतर्वेशन का चलन किसी एक दिशा में विशिष्ट नहीं रहा है, यह बढ़ता- घटता रहा है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- फरवरी 2017 में केंद्र सरकार ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ भारतीय महिला बैंक और पाँच सहयोगी बैंकों के विलय को मंज़ूरी दी थी। विलय का उद्देश्य सार्वजनिक बैंक संसाधनों का युक्तिकरण, लागत में कमी, बेहतर लाभप्रदता और जनता के लिये ब्याज की बेहतर दर के लिये धन की कम लागत तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की उत्पादकता एवं ग्राहक सेवा में सुधार करना था। संसद ने सार्वजनिक बैंक के युक्तिकरण को प्रभावित करने के लिये भारतीय स्टेट बैंक के साथ छह सहायक बैंकों का विलय करने हेतु स्टेट बैंक (निरसन और संशोधन) विधेयक, 2017 पारित किया। **अतः कथन 2 सही है।**

प्रश्न. भारत में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2010)

1. वे सरकार द्वारा जारी प्रतिभूतियों के अधिग्रहण में शामिल नहीं हो सकतीं।
2. वे बचत खाते की तरह मांग जमा स्वीकार नहीं कर सकतीं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और ना ही 2

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rbi-guidelines-for-asset-reconstruction-companies